

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान

प्रलिस के लयः

केंद्र प्रायोजतऱ योजना, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभयऱन ।

मेन्स के लयः

शकऱषा एवं संबंघतऱतऱ योजनऱएँ ।

चरचा में क्यौं?

सरकार ने 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभयऱन' (RUSA) की योजना को 31 मऱरच, 2026 तक या अगली समीकषऱ तक (जौ भी पहले हो) जऱरी रखने की मंजूरी दे दी है ।

- इस प्रसूतऱव में लगभग 12929.16 करोड़ रुपए कऱ परवऱयय शऱमलऱ है, जसऱमें से केंद्र कऱ हसऱसऱ 8120.97 करोड़ रुपए और रऱज्य कऱ हसऱसऱ 4808.19 करोड़ रुपए होगा । योजना के नए चरण के तहत लगभग 1600 परयोजनाओं को समर्थन देने की परकऱलपनऱ की गई है ।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभयऱनः

- यह अकूतूबर 2013 में शुरु की गई केंद्र प्रायोजतऱतऱ योजना है, जसऱकऱ उददेश्य पूरे भारत में उच्च शकऱषऱ संसूथऱनों को रणनीतकऱ वतऱतऱपोषण प्रदऱन करनऱ है ।
- केंद्रीय वतऱतऱपोषण (सऱमऱन्य श्रेणी के रऱज्यों के लयऱ 60:40 के अनुपऱत में, वशऱष श्रेणी के रऱज्यों के लयऱ 90:10 के अनुपऱत में और केंद्रशऱसतऱ प्रदेशों के लयऱ 100%) मऱनदंड और परणऱम ऱधऱरतऱ है ।
- इस कऱर्यकऱरम के तहत वतऱतऱपोषण की रऱशऱ वशऱषऱट संसूथऱनों तक पहुँचने से पूर्व रऱज्य सरकऱरों/केंद्रशऱसतऱ प्रदेशों के मऱध्यम से 'रऱज्य उच्च शकऱषऱ परषऱदों' को प्रदऱन की जऱती है ।
 - वभऱनऱन रऱज्यों को वतऱतऱपोषण 'रऱज्य उच्च शकऱषऱ योजनऱओं' के मूल्यांकन के ऱधऱर पर कयऱ जऱएगऱ, जौ उच्च शकऱषऱ में समऱनतऱ, पहुँच एवं उत्कृषूटतऱ के मुददों को संबोघतऱतऱ करने हेतु प्रत्येक रऱज्य की रणनीतऱकऱ वरणन करेगऱ ।

नए चरण में परकऱलपनऱः

- रूसऱ के नए चरण कऱ लकष्य सुवधऱ से वंचतऱ कषेत्तऱरों, ऱपेकषऱकृत कम सुवधऱ वऱले कषेत्तऱरों, दूरदरऱज/ग्रऱमीण कषेत्तऱरों, कठनऱ भौगोलकऱ संथऱतऱ वऱले कषेत्तऱरों, वऱमपंथी उग्रवऱद (ऱलडब्लूयूई) से प्रभवऱतऱ कषेत्तऱरों, उत्तर पूर्वी कषेत्तऱरों (ऱनईऱर), ऱकऱकषी जऱलऱं, द्वतऱतीय श्रेणी (टयऱर-2) के शहरों, कम जीईऱर वऱले कषेत्तऱरों ऱदऱतऱक पहुँच संथऱपतऱ करनऱ और सतत वकऱस लकष्यों कऱ लऱभ प्रदऱन करनऱ है ।
- इस योजनऱ के नए चरण को **नई शकऱषऱ नीतऱ** की उन सफऱरऱशऱं और उददेश्यों को लऱगू करने के लयऱ डजऱऱन कयऱ गयऱ है, जौ वर्तमऱन उच्च शकऱषऱ प्रणऱली में कुछ महत्त्वपूर्ण बदलऱवों कऱ सुझऱव देते हैं तऱकऱ प्रणऱली में सुधऱर लऱकर इसे फऱरऱ से सकर्यऱ कयऱ जऱ सके और समऱनतऱ एवं समऱवेशन के सऱथ गुणवत्तऱपूर्ण उच्च शकऱषऱ की सुवधऱ प्रदऱन की जऱ सके ।
- इस योजनऱ के नए चरण के तहत लैंगकऱ समऱवेशन, समऱनतऱ संबंधी पहल, सूचना एवं संचऱर प्रौदयऱगऱकी (ऱऱईसीटी), वयऱवसऱयकऱ शकऱषऱ एवं कौशल उन्नयन के मऱध्यम से रोजगऱर बढऱने के लयऱ रऱज्य सरकऱरों को सऱहऱयतऱ प्रदऱन की जऱएगी ।
- रऱज्य सरकऱरों को नए मॉडल डगऱऱरी कौलेज बनऱने के लयऱ भी सऱहयऱग दयऱ जऱएगऱ ।
- बहु-वषऱयक शकऱषऱ और अनुसंधऱन के लयऱ रऱज्य के वशऱवदऱयऱलयों को सऱहऱयतऱ दी जऱएगी ।
- भऱरतऱय ऱषऱऱओं में सखऱने-सखऱने सऱहतऱ वभऱनऱन गतवऱधऱयऱं के लयऱ मऱन्यतऱ प्रऱप्त और गैर-मऱन्यतऱ प्रऱप्त वशऱवदऱयऱलयों एवं कौलेजों को मजबूती प्रदऱन करने के उददेश्य से अनुदऱन प्रदऱन कयऱ जऱएगऱ ।

उददेश्यः

- राज्य संस्थानों की समग्र गुणवत्ता में निर्धारित मानदंडों और मानकों के अनुरूप सुधार करना ।
- एक अनविरय गुणवत्ता आश्वासन ढाँचे (योग्यता का प्रमाणन) को अपनाना ।
- राज्य विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता को बढ़ावा देना और संस्थानों के शासन में सुधार करना ।
- संबद्धता, शैक्षणिक और परीक्षा प्रणाली में सुधार सुनिश्चित करना ।
- सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता युक्त संकायों की उपलब्धता और रोज़गार के सभी स्तरों पर क्षमता निर्माण सुनिश्चित करना ।
- उच्च शिक्षा प्रणाली में अनुसंधान के लिये एक सक्षम वातावरण बनाना ।
- उच्च शिक्षा की पहुँच से अछूते क्षेत्रों में संस्थानों की स्थापना कर क्षेत्रीय असंतुलन को समाप्त करना ।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वंचितों को पर्याप्त अवसर प्रदान कर इस क्षेत्र में पक्षपात को समाप्त करना ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernce URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rashtriya-uchchar-shiksha-abhiyan-2>

